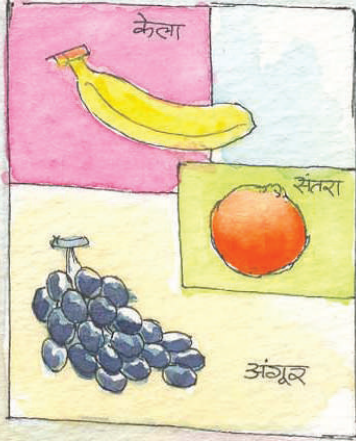


स्कूल का
यहला दिन



अक्कड़-बक्कड़
बंबे बो,
अरसी नब्बे
पूरे सौ.
सौ में लवाा धावा
चोर,
निकल कर भावा





नाम ही नाम

मेरा नाम सुहानी है।
तुम्हारा नाम क्या है ?

मेरा नाम है।

मेरे शिक्षक/शिक्षिका का नाम है।



उन चीज़ों के चित्र बनाओ जो तुम्हारी
कक्षा में हैं। जैसे -



मैं सुहानी और तुम्हारा दोस्त
हूँ। ज़रा सोचो, मेरा नाम क्या
हो सकता है?

अब पिछले पन्ने पर जाओ।
देखो, वहाँ क्या मिला, क्या नहीं मिला।





न

म

यहाँ दो टोलियाँ हैं।

एक ऐसी टोली जिसके नामों में म आता है।

दूसरी ऐसी टोली जिसके नामों में न आता है।

बच्चों को सही टोलियों तक पहुँचाओ, जैसा कि नीचे दिखाया गया है।



हेमा



मानू



न की टोली



राजन



नूनु



स्वामी



नीलू



म की टोली



माधवन



नीरजा



उमर



धना



मुरुगन



हमीदा



मोहित

अब तुम भी कक्षा में झटपट
ऐसी टोलियाँ बनाओ।

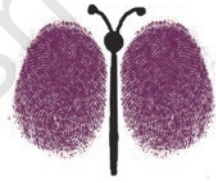
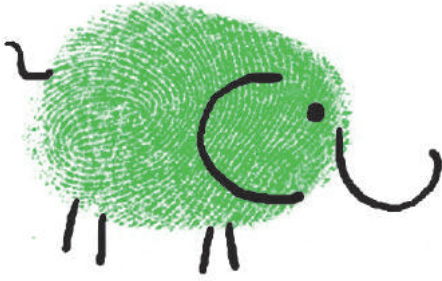
अरे, कुछ बच्चे
छूट गए!





अँगूठे की छाप

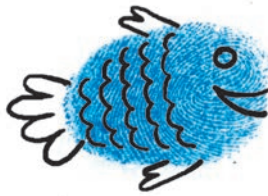
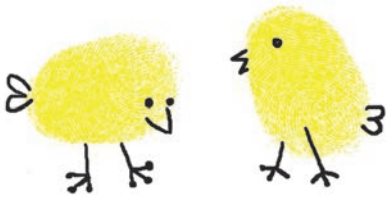
पहचाना इन्हें ? ये तुम हो और
तुम्हारा दोस्त । इनके नाम लिखो ।



अँगूठे के अंदर
छिपा एक बंदर
उसका एक साथी
मोटा एक हाथी



पहचानो, अँगूठे की इन छापों में
और क्या-क्या छिपा है?



अब इन अँगूठों की छाप में तुम भी कुछ जोड़ो।



आठ



कठपुतली



गठरी



चिड़िया



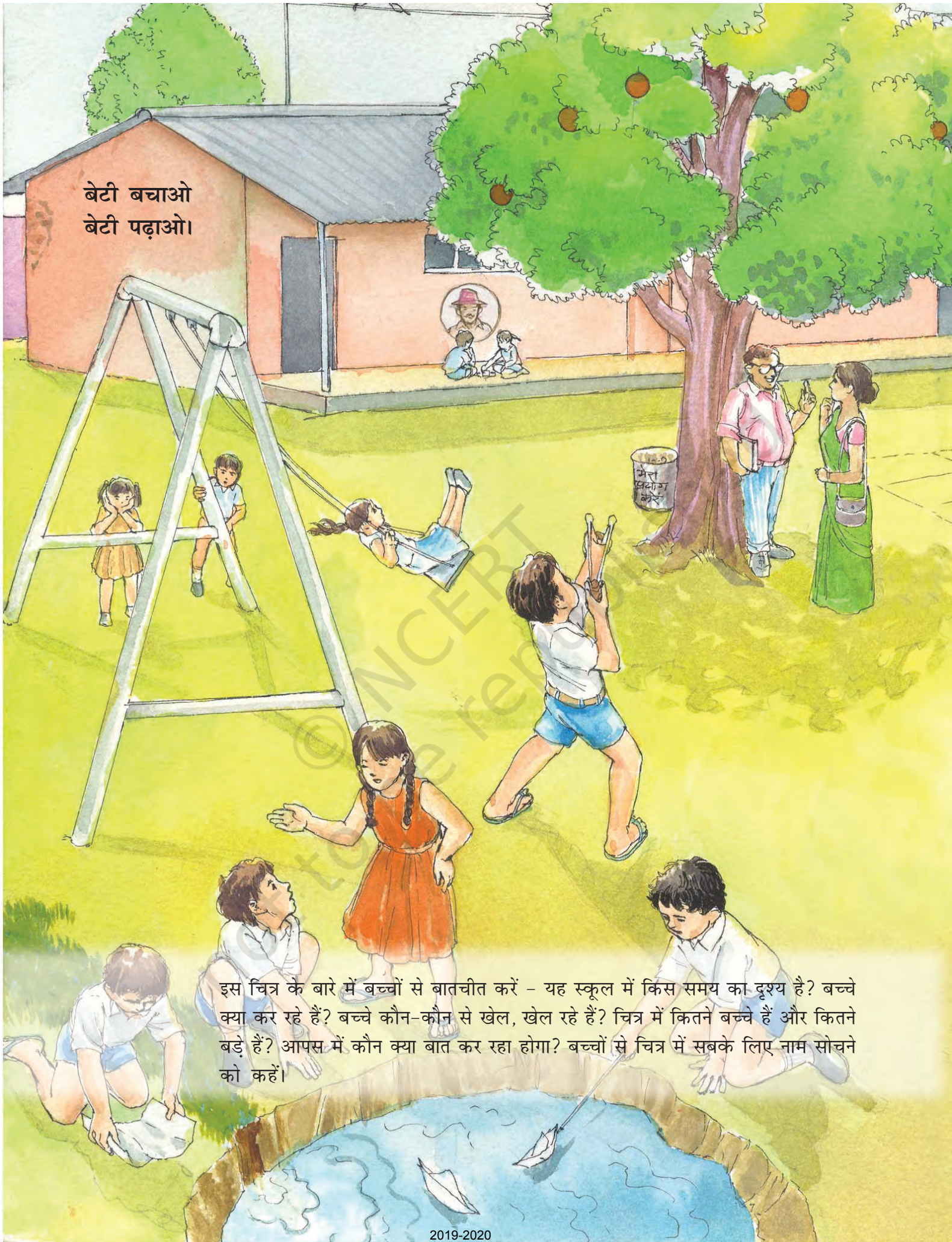
अनार

अपने अँगूठे की छाप से कुछ और बनाओ।

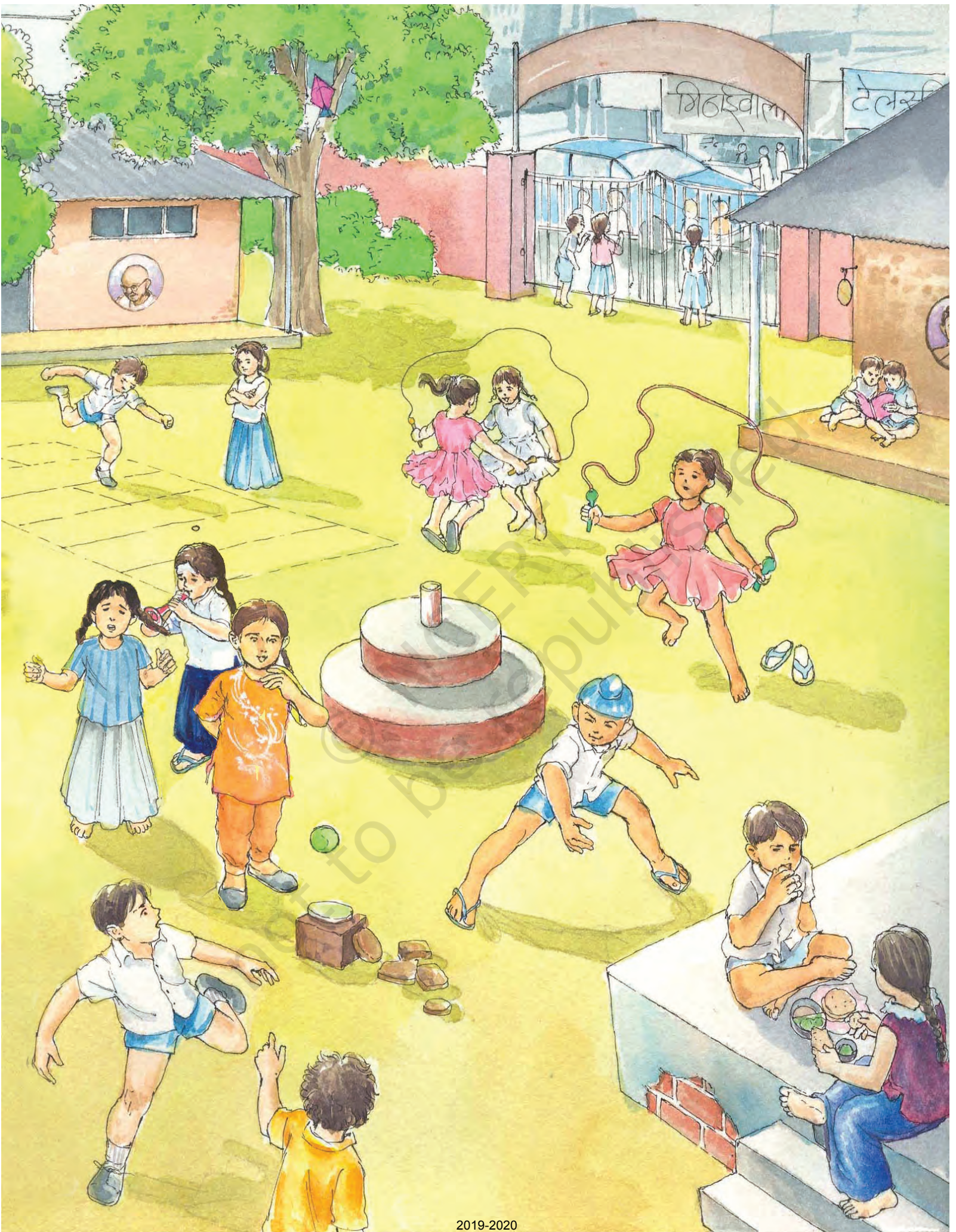
बताओ,
तुमने क्या बनाया ?



बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ।



इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें - यह स्कूल में किस समय का दृश्य है? बच्चे क्या कर रहे हैं? बच्चे कौन-कौन से खेल, खेल रहे हैं? चित्र में कितने बच्चे हैं और कितने बड़े हैं? आपस में कौन क्या बात कर रहा होगा? बच्चों से चित्र में सबके लिए नाम सोचने को कहें।





0117CH01

1. झूला



अम्मा आज लगा दे झूला,
इस झूले पर मैं झूलूँगा।
इस पर चढ़कर, ऊपर बढ़कर,
आसमान को मैं छू लूँगा।



झूला झूल रही है डाली,
झूल रहा है पत्ता-पत्ता।
इस झूले पर बड़ा मज़ा है,
चल दिल्ली, ले चल कलकत्ता।

झूल रही नीचे की धरती,
उड़ चल, उड़ चल,
उड़ चल, उड़ चल।
बरस रहा है रिमझिम, रिमझिम,
उड़कर मैं लूटूँ दल-बादल।



क्ष

क्ष

क्ष



झ ल ड

झूले ही झूले

बताओ, इनमें किन चीजों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हो?



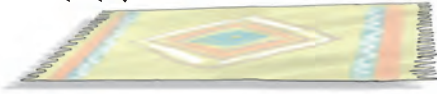
टायर



फाटक



झाड़ू



दरी



डाली



मेज़



पैर वाला झूला

अलमारी



- मुझे पर झूलने में मज़ा आता है।
मुझे पर झूलने में डर लगता है।
मुझे पर झूलने पर डाँट पड़ती है।

तुम इन झूलों पर भी झूले होगे। इन झूलों को तुमने कहाँ-कहाँ देखा है?



मेला स्कूल पार्क
घर का आँगन बगीचा

.....



.....

.....



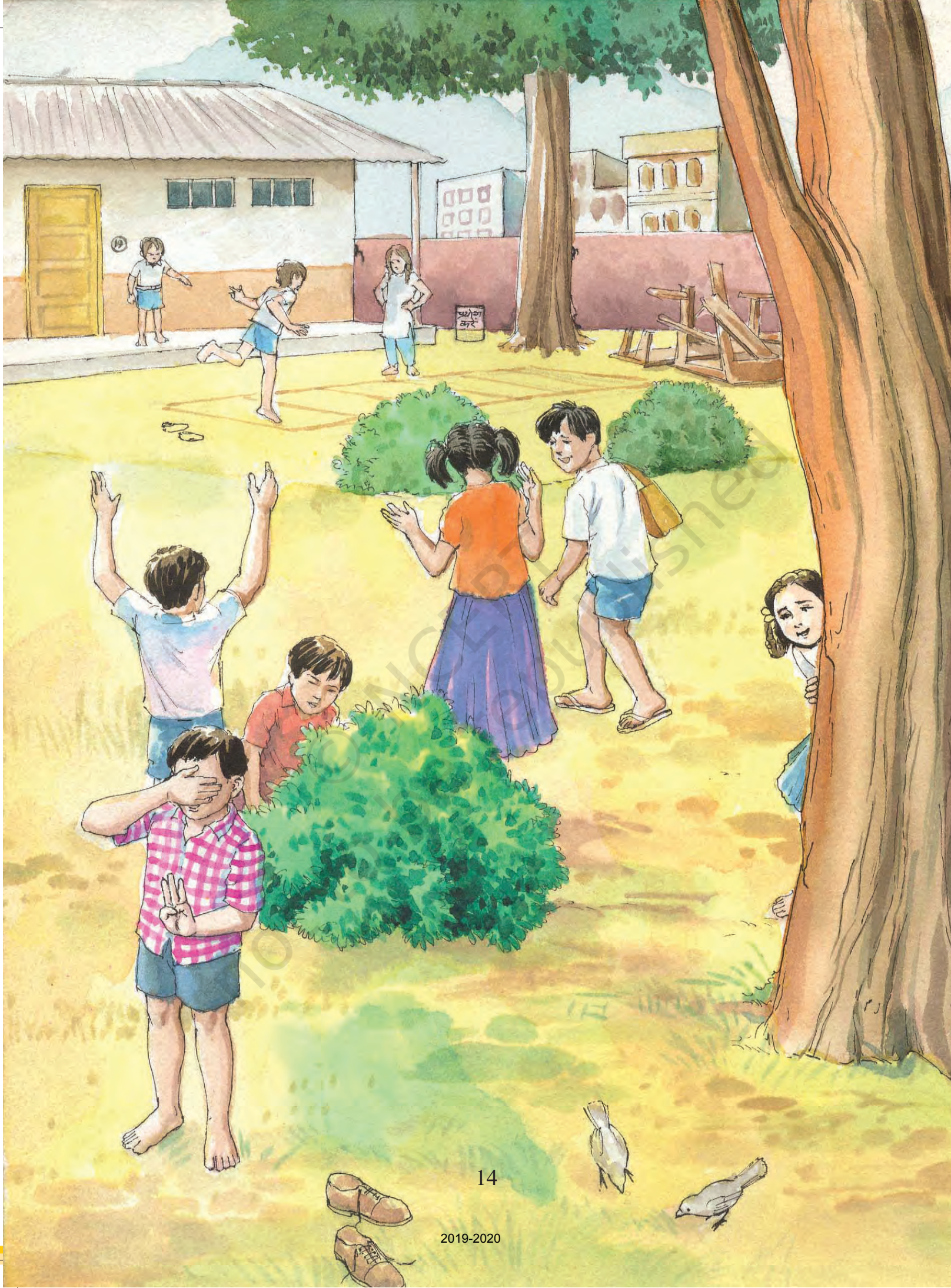
.....

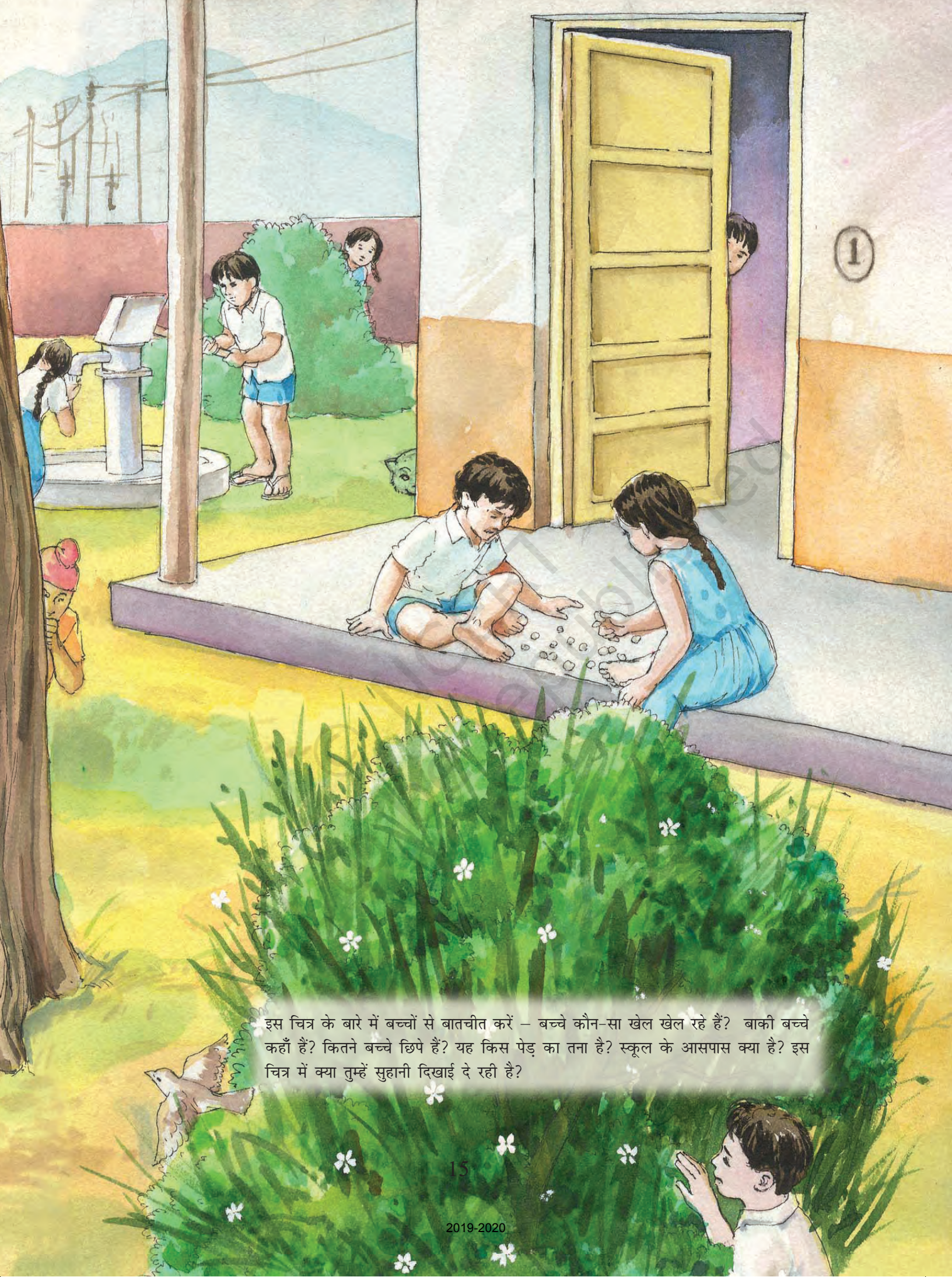


.....

झूले से सुहानी को क्या-क्या दिख रहा होगा?







इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें – बच्चे कौन-सा खेल खेल रहे हैं? बाकी बच्चे कहाँ हैं? कितने बच्चे छिपे हैं? यह किस पेड़ का तना है? स्कूल के आसपास क्या है? इस चित्र में क्या तुम्हें सुहानी दिखाई दे रही है?



मिलाओ



ठेला



झूला

पेड़



गठरी

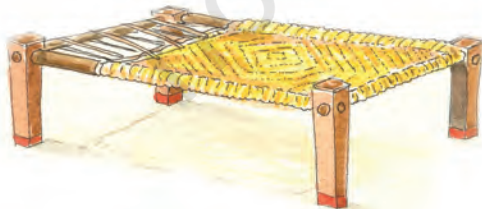
खाली जगह भरो और फिर छुपने की इन जगहों पर बच्चों के चित्र बनाओ।



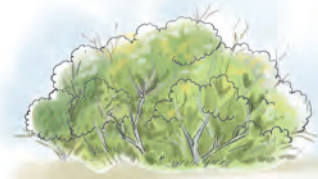
.....पेड़..... के पीछे



..... के नीचे



..... के नीचे



..... के पीछे





पकड़न - पकड़ाई

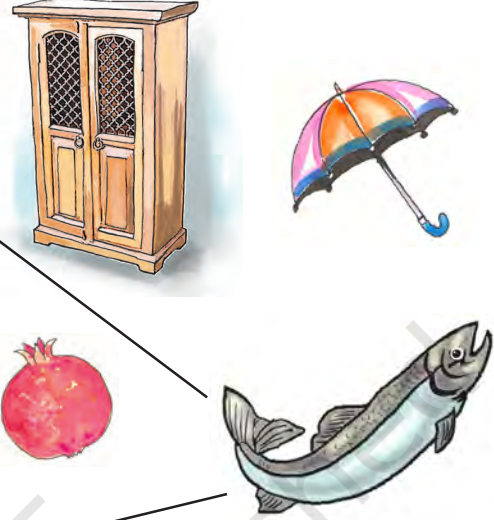


छ

इ



- ठ
- म
- न
- अ
- छ



ऊपर बनी चीज़ों के नाम उन अक्षरों के नीचे लिखो जो उनमें आते हैं।

ठ	छ	म	अ	न
	मछली	मछली		



यहाँ मछली दो बार लिखा गया है। क्या किसी और चीज़ का नाम भी तुमने दो बार लिखा है?

.....